(ख) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

**वित्त मंत्री (श्री शचीन्द्र चौधरी) :** (क) और (ख). कुछ राज्य सरकारें, कुछ ऋणों की शर्तों आदि में संशोधन करने के लिए समय-समय पर अनुरोध करती रहती हैं । इन अनुरोधों पर, प्रत्येक मामले के गुण-दोष के अनुसार विचार किया जाता है ।

**भू-राजस्व**

***194. श्री किशन पटनायक :**
**श्री मधु लिमये :**
**डा० राम मनोहर लोहिया :**
**श्री बागड़ी :**

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कौन-कौन से राज्य साधनों को एकत्रित करने के लिए 1966-67 में भू-राजस्व तथा सिंचाई दरों में वृद्धि करने के सम्बन्ध में सहमत नहीं हुए है;

(ख) उन राज्यों ने क्या कारण बताये है; और

(ग) साधनों में कमी को पूरा करने के सम्बन्ध में इन राज्यों द्वारा क्या उपाय काम में लाये जा रहे हैं ?

**योजना मंत्री (श्री अशोक मेहता) :** (क) योजना आयोग से विचार विनिमय के दौरान, आन्ध्र प्रदेश तथा असम सरकारों ने, भू-राजस्व या सिंचाई दरों में वृद्धि करने के लिए कोई निश्चित प्रस्ताव नहीं रखे हैं ।

(ख) आन्ध्र प्रदेश सरकार ने जो कारण बताये हैं वे निम्न प्रकार हैं :—

(1) 1962-63 में भू-राजस्व की दरें काफी बढ़ाई गई । इसके अलावा, गन्ना क्षेत्र की दरें 1965-66 में और बढ़ाई गईं;

(2) आन्ध्र प्रदेश में भू-राजस्व की दरें पड़ोसी राज्यों की अपेक्षा सामान्यतया काफी ज्यादा हैं ;

(3) सिंचाई दरों से सम्बन्धित कानून हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा रद्द किया जा चुका है; और

(4) चालू वर्ष में खराब मौसम के कारण राज्य की फसल पर बुरा प्रभाव पड़ा है ।

जहां तक असम का सम्बन्ध है, राज्य सरकार ने 1966-67 की राज्य योजना के लिए अतिरिक्त साधनों को जुटाने के एक भाग के रूप में जिन कानूनों को बनाया है, उन्हें अन्तिम रूप नहीं दिया गया है ।

(ग) प्रेस रिपोर्ट के अनुसार, आन्ध्र प्रदेश सरकार ने अपने 1966-67 के बजट में किसी भी अतिरिक्त कराधान कानून की घोषणा नहीं की है । सूचना मिली है कि राज्य सरकार व्यय में कटौती करना चाहती है, राजस्व संग्रह में सुधार करना चाहती है और प्रतिभूतियों के संचित निधि से धन लेना चाहती है । असम की स्थिति का ज्ञान तब हो सकेगा जब राज्य विधान सभा को राज्य का 1966-67 का बजट प्रस्तुत कर दिया जायेगा ।

**Rising Prices of Commodities**

***195. Shri S. M. Banerjee:**
**Shri Vishwa Nath Pandey:**
**Shri P. C. Borooah:**
**Shri Ram Harkh Yadav:**
**Shri Murli Manohar:**

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether the prices of all essential commodities have gone up during December, 1965 and January, 1966;

(b) whether prices are daily going up despite the steps taken by Government; and

(c) if so, the further steps likely to be taken to check the prices?

**The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri)**: (a) and (b). Prices of essential commodities remained, on the whole, stable during December, 1965 and January, 1966, although they had risen during the preceding months.

(c) In view of the substantial decline in agricultural production, measures for checking the price rise will have to include augmenting supplies, to the extent feasible, by imports, regulation of distribution and continued restraint on demand through fiscal and monetary policies.

**Finance Commission's Recommendation *re:* Grant to U.P.**

***196. Shri Vishwa Nath Pandey:**
**Shrimati Savitri Nigam:**

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether the Fourth Finance Commission has recommended a low quantum of grant-in-aid to Uttar Pradesh State;

(b) if so, whether the State Government have represented against it; and

(c) if so, the reaction of the Central Government thereto?

**The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri)**: (a) No grant-in-aid was recommended by the Fourth Finance Commission for Uttar Pradesh as the entire revenue gap of the State Government was more than covered by the share of Central taxes and duties accuring to them. The additional expenditure devolving on the State Government owing to increases in pay scales and dearness allowance of the State Government employees was, however, got examined by the Government on the lines recommended by the Commission and as a result the State Government would be getting from 1966-67 a grant-in-aid of Rs. 9.85 crores.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

**विटामिन**

*197. **श्री विभूति मिश्र** : क्या **स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्वास्थ्य मंत्री ने 24 दिसम्बर, 1965 को लखनऊ में अपने भाषण में यह कहा था कि भारत में बच्चों की बीमारियों का कारण पौष्टिक भोजन की कमी है;

(ख) क्या यह भी सच है कि मूली और गाजर से सस्ते मूल्य पर विटामिन तैयार करने तथा उन्हें गरीब बच्चों के लिये उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में सरकार एक योजना तैयार कर रही है; और

(ग) यदि हां, तो इस योजना की मुख्य रूपरेखा क्या है ?

**स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० सुशीला नायर)** : (क) निःसन्देह पौष्टिक भोजन की कमी भारत में बच्चों की बीमारियों के कारणों में से एक है, किन्तु 24 दिसम्बर को मैंने ऐसा कोई भाषण नहीं दिया था ।

(ख) और (ग). जी नहीं । पोषण के बारे में तथा विटामिन की पूर्ति के साधन के रूप में कच्ची गाजरें तथा अन्य तरकारियां एवं फल खाने के महत्व के विषय में विभिन्न एजेंसियां सलाह देती रहती हैं ।

**Tax liability of Ex-Chief Minister of Orissa**

***198. Shri Vishram Prasad:**
**Shri Hari Vishnu Kamath:**
**Shri Surendranath Dwivedy:**

Will the Minister of **Finance** be pleased to refer to the reply given to